

# मेवाड़ विश्वविद्यालय में हुई अन्तर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिये भाषण प्रतियोगिता

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् (आईसीसीआर) के तत्वावधान में हुआ आयोजन

राजस्थान दर्शन

**चिरांड़िगढ़।** आजादी के अनुत्त महोत्सव के तहत चिरांड़िगढ़ में दिनांक 20 फरवरी 2023 सोमवार को मेवाड़ विश्वविद्यालय में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् (आईसीसीआर) के तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिये भाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। महाराणा प्रताप सेमिनार हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम का आरंभ कार्यक्रम मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्याञ्चा व दीप प्रज्वलन कर हआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् (आईसीसीआर) के अध्यक्ष माननीय डॉ विनय सहस्रबुद्ध व अतिथियों का स्वागत मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गद्या द्वारा पारंपरिक ढंग से किया गया। कार्यक्रम के मुख्य बल्ला आईसीसीआर के अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्रबुद्ध ने उपने ज्ञोपान में बहु का भाषण एक कला है, जो विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए बहुत उपयोगी राखित होता है तिरासों वह लोगों के मध्य



अपनी बात को आरामी से उनके सामने रख सकते हैं। वह अपने जीवन में होने वाली प्रतिस्पर्धा में हमशा मजबूत बन रहा है। उन्होंने कहा कि देश - विदेशों के विद्यार्थियों में एक मच पर इस तरह के गतिविधियों का होना निश्चित रूप से सांस्कृतिक एकत्र के साथ -साथ एम् विश्व को परिवार के रूप में बढ़े रखता है। उन्होंने आगे कहा कि सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ाने एवं भागी विविधता को दूर करने के उद्देश्य से नाईजीरिया में स्थित मेवाड़ इटनेशनल यूनिवर्सिटी में सांस्कृतिक केन्द्र खोलने हेतु सहयोग करने का आशासन दिया जिससे सांस्कृतिक एकता को प्रसाल कायदा हो सके।

मेवाड़ की धरती पर मेवाड़ विश्वविद्यालय शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाकर अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है - डॉ. गद्या मेवाड़ विश्वविद्यालय के डॉ. अशोक

कुमार गद्या ने अपने उद्घासन में कहा कि मेवाड़ की भूमि इक्ष्यां और भक्ति की भूमि कही जाती है। यहां पर सदियों से लोगों ने त्याँ और भलिदान के मध्यम से अपने स्वाभिनान की रक्षा की है। अपने देश की सभ्यता और संस्कृति को बचाने के लिए न जाने वहां कितने बढ़ लड़े गए और किसी ही जाने गई लोकन हमारे देश की संस्कृति को कोई नहीं मिटा सका। इसी मेवाड़ की धरती पर मेवाड़ विश्वविद्यालय भी शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाकर अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है। नमुदेव कुट्टेक्रम की भावना को ध्यान में रखते हुए मेवाड़ विश्वविद्यालय में आज देश के नहीं वरन् अन्य कई देशों के विद्यार्थी भी अध्ययनरत हैं और अलग-अलग के क्षेत्रों में अपने नाम रोशन कर रहे हैं। इस अवसर पर प्रतिकूलपति आनंदवर्धन शुक्ल ने अपने उद्घासन में कहा कि विश्व गुरु कहलाने वाले भारत

भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत 14 देशों के विद्यार्थियों के बीच हुआ फाइनल मुकाबला

इस भाषण प्रतियोगिता का विषय "बीसीसीसी के मध्य में उपनिवेशवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को मजबूत करने में भारतीय स्वतंत्रता संग्रह की भूमिका" था। सोमवार को हुए फाइनल मुकाबले में बांग्लादेश, नाईजीरिया, अमेरिका, नेपाल, आदि 14 देशों के भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने भाग लिया। उपर्योगिता के निर्णायकों ने विजेताओं का चयन करते समय विवर वस्तु की प्रसिद्धिकाता, विचारों का व्यवस्थितिकरण, अधिकारिक का नियंत्रिकरण आदि विषयों के अधार पर परियाम जारी किए। विजेताओं में से प्रथम विजेता नाईजीरिया के ड्यूके माइकल ऑबिना को 51000/- रुपये, द्वितीय विजेता को 31000/- रुपये नाईजीरिया के निवासी मेवाड़ विश्वविद्यालय की विद्यार्थी निजेजी क्लबर सोसायिटेज में तथा अमेरिका की इन्ड्रकान्ति श्री प्रता को एवं तीसी विजेता बांग्लादेश के पृथक्का मेहिनी तथा नेपाल के यादव को 21000/- रुपये का नगद प्रसरण पत्र भी प्रदान किये गए। कार्यक्रम में मेवाड़ अभियांत्रिक द्वारा सांस्कृतिक संबंध परिषद् (आईसीसीआर) के अंतर्मित्रों एवं संबंधित लोगों द्वारा रागांग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के ओएसडी एवं विधानी ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) जालोक मिश्र, मेवाड़ एज्युकेशन सोसायिटी के चेयरमैन गोविंद लाल गद्या, बोर्ड ऑफ नैनेजमेंट के सदस्य अपूर्ण माहेश्वरी, मेवाड़ ग्रूप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स की निदेशिका डॉ. अलक अवाल, प्रतिकूलपति आनंदवर्धन, डाक्टरेकटर एकेडमिक्स डॉ. के. शर्मा, डाक्टरेकटर ड्रेनिंग एण्ड प्लोसेनेंट होश गुलामी, कुलसचिव प्रो. आर राज, उपकुलसचिव दीपि शास्त्री, प्रो. (डॉ.) चित्रलेखा सिंह, प्रो. (डॉ.) सनिया सिंगला, प्रो. चेताली अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के विभाग व्यक्तियों सहित प्रधानपक्षण एवं विद्यार्थी उपरिषत रहे।

पर कई विदेशी संस्कृतियों वले लोगों ने हमले किये, कई सदियों तक विभिन्न आंचल 45 कोई आंच नहीं आने दी इसीलिये आज भी पूरे विश्व में भारतवर्ष का नाम बड़े गर्व से लिया हमारे देश के सपूत्रों ने भारत मां के आंचल 45 कोई आंच नहीं आने दी

# मेवाड़ विश्वविद्यालय में हुई अन्तर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिये भाषण प्रतियोगिता

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् (आईसीसीआर) के तत्वावधान में हुआ आयोजन

चित्तौड़गढ़(लाइब रिपोर्ट-अमित कुमार चेचानी)। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत चित्तौड़गढ़ में दिनांक 20 फरवरी 2023 सोमवार को मेवाड़ विश्वविद्यालय में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् (आईसीसीआर) के तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिये भाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। महाराणा प्रताप सेमिनार हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम का आरंभ कार्यक्रम मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन कर हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् (आईसीसीआर) के अध्यक्ष माननीय डॉ विनय सहस्रबुद्धे व अतिथियों का स्वागत मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया द्वारा पारंपरिक ढंग से किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता



आईसीसीआर के अध्यक्ष डॉ विनय सहस्रबुद्धे ने अपने उद्घोषन में कहा कि भाषण एक कला है, जो विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए बहुत उपयोगी साबित होती है जिससे वह लोगों के मध्य अपनी बात को आसानी से उनके सामने रख सकते हैं। वह अपने जीवन में होने वाली प्रतिस्पर्धा में हमेशा मजबूत बना रहता है। उन्होंने कहा कि देश - विदेशों के विद्यार्थियों में एक मंच पर इस तरह की गतिविधियों का होना निश्चित रूप से सांस्कृतिक एकता के साथ -साथ पूरे विश्व को परिवार के रूप में बांधे रखता है। उन्होंने आगे कहा कि सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ाने एवं भाषाई

विविधता को दूर करने के उद्देश्य से नाईजीरिया में स्थित मेवाड़ इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी में सांस्कृतिक केन्द्र खोलने हेतु सहयोग करने का आश्वासन दिया जिससे सांस्कृतिक एकता की मिसाल कायम हो सके।

मेवाड़ की धरती पर मेवाड़ विश्वविद्यालय शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाकर अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है- डॉ. गदिया

मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने अपने उद्घोषन में कहा कि मेवाड़ की भूमि शक्ति और भक्ति की भूमि कही जाती है। यहां पर सदियों से लोगों ने त्याग और बलिदान के माध्यम से अपने

स्वाभिमान की रक्षा की है। अपने देश की सभ्यता और संस्कृति को बचाने के लिए न जाने यहां कितने युद्ध लड़े गए और कितनी ही जाने गई लेकिन हमारे देश की संस्कृति को कोई नहीं मिटा सका। इसी मेवाड़ की धरती पर मेवाड़ विश्वविद्यालय भी शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाकर अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है। वसुदेव कुटुंबकम की भावना को ध्यान में रखते हुए मेवाड़ विश्वविद्यालय में आज देश के नहीं वरन् अन्य कई देशों के विद्यार्थी भी अध्ययनरत हैं और अलग-अलग के क्षेत्रों में अपना नाम रोशन कर रहे हैं।

इस अवसर पर प्रतिकुलपति आंनदवर्धन शुक्ल ने अपने उद्घोषन में कहा कि विश्व गुरु कहलाने वाले भारत पर कई विदेशी संस्कृतियों वाले लोगों ने हमले किये, कई सदियों तक विभिन्न तरह के उत्तर-चढ़ाव आये। लेकिन हमारे देश के सपूतों ने भारत मां के आंचल पर कई आंच नहीं आने दी इसीलिये आज भी पूरे विश्व में भारतवर्ष का नाम बड़े गर्व से लिया जाता है।

# मेवाड़ विश्वविद्यालय में हुई अन्तर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिये भाषण प्रतियोगिता भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् (आईसीसीआर) के तत्वावधान में हुआ आयोजन

न्यूज ज्योति

चित्तौड़गढ़। आजादी के अमृत महोस्व के तहत चित्तौड़गढ़ में दिनांक 20 फरवरी 2023 सोमवार को मेवाड़ विश्वविद्यालय में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् (आईसीसीआर) के तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिये भाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। महाराणा प्रताप सेमिनार हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम का आरंभ कार्यक्रम मां संस्कृती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जलन कर हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् (आईसीसीआर) के अध्यक्ष माननीय डॉ विनय सहस्रबुद्धे व अतिथियों का स्वागत मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया द्वारा पारंपरिक ढंग से किया गया।

भाषण एक कला है, जो विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए बहुत उपयोगी साधित होती है - आईसीसीआर अध्यक्ष

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आईसीसीआर के अध्यक्ष डॉ विनय सहस्रबुद्धे ने अपने उद्घाटन में कहा कि भाषण एक कला है, जो विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए बहुत उपयोगी साधित होती है जिससे वह लोगों के मध्य अपनी बात को आसानी से उनके सामने रख सकते हैं। वह अपने जीवन में होने वाली प्रतिस्पर्धा में हमेशा मजबूत बना रहता है। उन्होंने कहा कि देश - विदेशों के विद्यार्थियों में एक मंच पर इस तरह की गतिविधियों का होना निश्चित रूप से सांस्कृतिक एकता के साथ -साथ पूरे विश्व को परिवार के रूप में बांधे रखता है। उन्होंने आगे कहा कि सांस्कृतिक गतिविधियों



को बढ़ाने एवं भाषाई विविधता को दूर करने के उद्देश्य से नाईजीरिया में स्थित मेवाड़ इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी में सांस्कृतिक केन्द्र खोलने हेतु सहयोग करने का आशासन दिया जिससे सांस्कृतिक एकता की मिसाल कायम हो सके।

मेवाड़ की धरती पर मेवाड़ विश्वविद्यालय शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाकर अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है - डॉ. गदिया

मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने अपने उद्घाटन में कहा कि मेवाड़ की भूमि शक्ति और भक्ति की भूमि कही जाती है। यहाँ पर सदियों से लोगों ने त्याग और बलिदान के माध्यम से अपने स्वाभिमान की रक्षा की है। अपने देश की सम्भवता और संस्कृति को बचाने के लिए न जाने यहाँ कितने युद्ध लड़े गए और कितनी ही जाने गई लेकिन हमारे देश की संस्कृति को कोई नहीं मिटा सका। इसी मेवाड़ की धरती पर मेवाड़ विश्वविद्यालय भी शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाकर अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है। वसुदेव कुंबुंक्रम की भावना को ध्यान में

रखते हुए मेवाड़ विश्वविद्यालय में आज देश के नहीं बरन अन्य कई देशों के विद्यार्थी भी अध्ययनरत हैं और अलग-अलग के क्षेत्रों में अपना नाम रोशन कर रहे हैं। इस अवसर पर प्रतिकूलपति आंनदवर्धन शुक्ल ने अपने उद्घाटन में कहा कि विश्व गुरु कहलाने वाले 'भारत पर कई विदेशी संस्कृतियों वाले लोगों ने हमले किये, कई सदियों तक विभिन्न तरह के उत्तर-चढ़ाव आये। लेकिन हमारे देश के सपूतों ने भारत मां के आंचल पर कोई आंच नहीं आने दी इसीलिये आज भी पूरे विश्व में भारतवर्ष का नाम बड़े गर्व से लिया जाता है।

भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत 14 देशों के विद्यार्थियों के बीच हुआ फाइनल मुकाबला: इस भाषण प्रतियोगिता का विषय "बीसवीं सदी के मध्य में उपनिवेशवाद के खिलाफ वैश्वक लड़ाई को मजबूत करने में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की भूमिका" था। सोमवार को हुए फाइनल मुकाबले में बांग्लादेश, नाईजीरिया, अमेरिका, नेपाल, आदि 14 देशों के

भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के निर्णयकों ने विजेताओं का चयन करते समय विषय वस्तु की प्रासंगिकता, विचारों का व्यवस्थितिकरण, अभिव्यक्ति का नियंत्रिकरण आदि विषयों के आधार पर परिणाम जारी किए। विजेताओं में से प्रथम विजेता नाईजीरिया के इजोके माइकल ओबिना को 51000/- रूपये, द्वितीय विजेता को 31000/- रूपये नाईजीरिया के निवासी मेवाड़ विश्वविद्यालय की विद्यार्थी निनेजी बलेरा सोन्मेजेम तथा अमेरिका की इन्ड्रकान्ति श्री प्रदा को एवं तृतीय विजेता बांग्लादेश के पृथिवी मोहिनी तथा नेपाल के यादव प्रिस को 21000/- रूपये का नगद पुरस्कार तथा भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् (आईसीसीआर) द्वारा प्रमाण पत्र भी प्रदान किये गए। कार्यक्रम में मेवाड़ अभिव्यक्ति द्वारा सांस्कृतिक रंगरंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के ओएसडी एच विधानी ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) आलोक मिश्र, मेवाड़ एज्युकेशन सोसायटी के चेयरमैन गोविन्द लाल गदिया, बोर्ड ऑफ मैनेजमेन्ट के सदस्य अर्पित माहेश्वरी, मेवाड़ स्ट्रॉफ इंस्टीट्यूशंस की निदेशिका डॉ. अलका अग्रवाल, प्रतिकूलपति आनन्दवर्धन शुक्ल, डायरेक्टर एकेडेमिक्स डॉ. के. शर्मा, डायरेक्टर ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट हरीश गुनानी, कुलसचिव प्रो. आर गजा, उपकूलसचिव दीपि शास्त्री, प्रो. (डॉ.) चित्रलेखा सिंह, प्रो. (डॉ.) सोनिया सिंगला, प्रो. चेताली अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के विभागध्यार्थों सहित प्राध्यापकाण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

## प्रादेशिक

जयपुर, मंगलवार, 21 फरवरी 2023

7



गंगरार। उपर्युक्त के मेवाड़ विश्वविद्यालय गंगरार में सम्मानित करते हुए एवं प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए।

## मेवाड़ विश्वविद्यालय में हुई भाषण प्रतियोगिता

■ 14 देशों के विद्यार्थियों ने लिया भाग

गंगरार। भाषण एक कला है, जो विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए बहुत उपयोगी साक्षित होती है। प्रखर वक्ता लोगों के मध्य अपनी बात को आसानी से रख सकता है। वह अपने जीवन में होने वाली प्रतिस्पृशी में हमेशा मजबूत बना रहता है। देश-विदेशों के विद्यार्थियों में एक मंच पर इस तरह की विविधताओं का होना निश्चित रूप से सांस्कृतिक एकता के साथ -साथ पूरे विश्व को परिवार के रूप में बांधे रखता है। यह बात भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् के अध्यक्ष डॉ विनय सहस्रबुद्धे

ने कही। वे आजादी के अमृत महोत्सव के तहत सोमवार को मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए भाषण प्रतियोगिता को बताए मुख्यबक्ता सम्बोधित कर रहे थे।

सहस्रबुद्धे ने सांस्कृतिक विविधियों को बढ़ाने एवं 'भाषाई विविधता' को दूर करने के उद्देश्य से नाइजीरिया में स्थित मेवाड़ इटरनेशनल यूनिवर्सिटी में सांस्कृतिक केन्द्र खोलने के लिए सहयोग करने का आश्वासन दिया। मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने कहा कि मेवाड़ की भूमि शक्ति और भक्ति की भूमि कही जाती है। यहां पर

सदियों से लोगों ने त्याग और बलिदान के माध्यम से अपने स्वाभिमान की रक्षा की है। अपने देश की सम्भावना और संस्कृति को बचाने के लिए न जाने यहां कितने युद्ध लड़े गए और कितनी ही जाने गए, लेकिन हमारे देश की संस्कृति को कोई नहीं मिटा सका। वसुधैव कुटुंबकम की भावना को ध्यान में रखते हुए मेवाड़ विश्वविद्यालय में आज देश के नहीं वरन् अन्य कई देशों के विद्यार्थी भी अध्ययनरत हैं और अलग-अलग के क्षेत्रों में अपना नाम रोशन कर रहे हैं। इस अवसर पर प्रतिकूलपति अंनंदवर्धन शुक्ल ने कहांकि विश्व गुरु कहलाने वाले मजबूत करने में भारतीय स्वतंत्रता

वाले लोगों ने हमले किये, कई सदियों तक विभिन्न तरह के उत्तर-चढ़ाव आए, लेकिन हमारे देश के सपूत्रों ने भारत मां के आंचल पर कई आंच नहीं आने दी, इसीलिये आज भी पूरे विश्व में भारतवर्ष का नाम बड़े गर्व से लिया जाता है। इससे पूर्व महाविद्यालय के महाराणा प्रताप सेमिनार हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम का आरंभ अंतिर्थियों ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया।

विजेताओं को किया पुरस्कृत : भाषण प्रतियोगिता का विषय बीसवीं सदी के मध्य में उपनिवेशवाद के खिलाफ वैश्वक लड़ाई को मजबूत करने में भारतीय स्वतंत्रता

संग्राम की भूमिका था। फाइनल राउंड में बांग्लादेश, नाइजीरिया, अमेरिका, नेपाल आदि 14 देशों के भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रथम नाइजीरिया के इजोके माइकल ओबिना को 51 हजार, द्वितीय नाइजीरिया के ही निवासी व मेवाड़ विश्वविद्यालय के विद्यार्थी निरेजी बलेग सोचिमेजेम अमरीका की इंद्रकाति श्रीपदा को 31 हजार तथा तुरीय विजेता बांग्लादेश की पृथिवा मोहिनी तथा नेपाल के यादव प्रिंस को 21 हजार रुपए का नगद पुरस्कार तथा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में मेवाड़ अभिव्यक्ति द्वारा सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रम

Dainik Navayogi: 21-02-2023

# अन्तर्राष्ट्रीय छात्रों के लिये भाषण प्रति. आयोजित

चित्तौड़गढ़ (प्रातःकाल संवाददाता)। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत सोमवार को मेवाड़ विश्वविद्यालय में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् के तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय छात्रों के लिये भाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। महाराणा प्रताप सेमिनार हॉल में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् अध्यक्ष डॉ विनय सहस्रबुद्धे व अतिथियों का स्वागत मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया द्वारा पारंपरिक ढंग से किया गया। मुख्य वक्ता आईसीसीआर के अध्यक्ष डॉ विनय सहस्रबुद्धे ने कहा कि भाषण एक कला है, जो विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए बहुत उपयोगी साबित होती हैं।

कुलाधिपति डॉ. गदिया ने कहा कि वसुधैव कुटुंबकम की भावना को ध्यान में रखते हुए मेवाड़ विश्वविद्यालय में आज देश के नहीं वरन् अन्य कई देशों के विद्यार्थी भी

अध्ययनरत हैं और अलग-अलग के क्षेत्रों में अपना नाम रोशन कर रहे हैं। इस अवसर पर प्रतिकुलपति आनंदवर्धन शुक्ल ने कहा कि



विजेताओं को पुरस्कृत करते अतिथि।

विश्व गुरु कहलाने वाले भारत पर कई विदेशी संस्कृतियों वाले लोगों ने हमले किये, कई सदियों तक विभिन्न तरह के उत्तर-चढ़ाव आये। भाषण प्रतियोगिता का विषय “बीसवीं सदी के मध्य में उपनिवेशवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को मजबूत करने में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की भूमिका” था। फाइनल

राउंड में बांग्लादेश, नाईजीरिया, अमेरिका, नेपाल आदि 14 देशों के भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने

भाग लिया। विजेताओं में प्रथम नाईजीरिया के इजोके माइकल ओबिना को 51 हजार रुपये, द्वितीय विद्यार्थी निनेजी क्लेरा सोचिमेजेम को 31 हजार तथा अमेरिका की इन्ड्राकान्ति श्री प्रदा को एवं तृतीय बांग्लादेश के पृथला मोहिनी तथा नेपाल के यादव प्रिंस को 21 हजार रुपये का नगद पुरस्कार तथा भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् द्वारा प्रमाण पत्र भी प्रदान किये गए। इस अवसर पर

मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक मिश्रा, मेवाड़ एज्युकेशन सोसायटी के चेयरमैन गोविन्द लाल गदिया, अर्पित माहेश्वरी, मेवाड़ ग्रुप ऑफ़डॉ. अलका अग्रवाल, डी. के. शर्मा, हरीश गुरनानी, प्रो. आर राजा, उपकुलसचिव दीपि शास्त्री, प्रो. चित्रलेखा सिंह, प्रो. सोनिया सिंगला, प्रो. चेताली अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों सहित प्राध्यापका एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। Pratahkal 21-02-2023

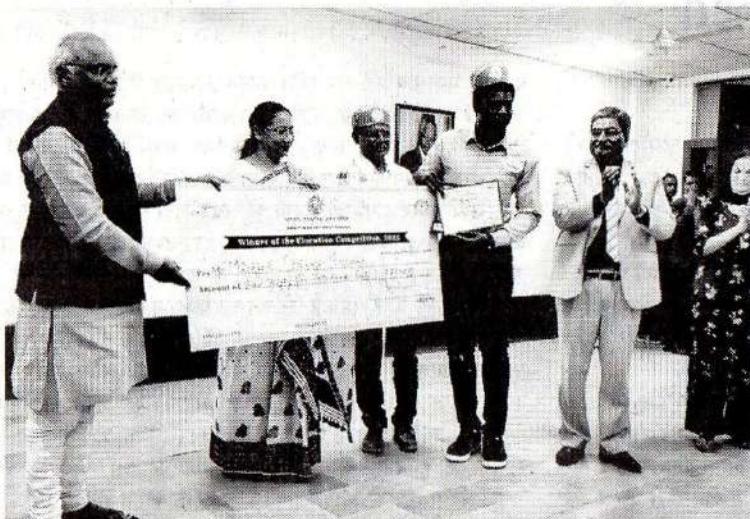
मेवाड़ विवि में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

## भाषण कला विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए उपयोगी

गंगारा, 20 फरवरी (जस.)। मेवाड़ विश्वविद्यालय में सोमवार को आजादी के अमृत महोत्सव के तहत भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् के तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय छात्रों के लिये भाषण प्रतियोगिता का आयोजन महाराणा प्रताप सेमिनार हॉल में किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आईसीसीआर के अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्रबुद्धे ने कहा कि भाषण एक कला है, जो विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए बहुत उपयोगी साबित होती है। उन्होंने कहा कि जो लोगों के मध्य अपनी बात को आसानी से सामने रख सकता है, वह अपने जीवन में होने वाली प्रतिस्पर्धा में हमेशा मजबूत बना रहता है। देश विदेशों के विद्यार्थियों में एक मंच पर इस तरह की गतिविधियों का होना निश्चित रूप से सांस्कृतिक एकता के साथ-साथ पूरे विश्व को परिवार के रूप में बांधे रखत है। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ाने एवं भाषाई विविधता को दूर करने के उद्देश्य से नाइजीरिया में स्थित मेवाड़ इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी में सांस्कृतिक केन्द्र खोलने हेतु सहयोग करने का आश्वासन दिया।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने में कहा कि मेवाड़ की भूमि शक्ति और भक्ति की भूमि कही जाती है। यहाँ पर सदियों से लोगों ने त्याग और बलिदान के



माध्यम से अपने स्वाभिमान की रक्षा की है। अपने देश की सभ्यता और संस्कृति को बचाने के लिए न जाने यहाँ कितने युद्ध लड़े गए और कितनी ही जाने गई लेकिन हमारे देश की संस्कृति को कोई नहीं मिटा सका। इसी मेवाड़ की धरती पर मेवाड़ विश्वविद्यालय भी शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाकर अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है। कार्यक्रम को प्रतिकूलपति आनंदवर्धन शुक्ल ने भी संबोधित किया।

Jannayak 21-02-2023

भाषण प्रतियोगिता का विषय बीसवीं सदी के मध्य में उपनिवेशवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को मजबूत करने में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की भूमिका था। सोमवार को हुए फाइनल राउंड में बांग्लादेश, नाइजीरिया, अमेरिका, नेपाल आदि 14 देशों के भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के निर्णयिकों ने विजेताओं का चयन करते समय

विषय वस्तु की प्रासांगिकता, विचारों का व्यवस्थितिकरण, अभिव्यक्ति का नियंत्रिकरण आदि विषयों के आधार पर परिणाम जारी किए। विजेताओं में से प्रथम विजेता नाइजीरिया के इजोके माइकल ओबिना को 51 हजार, द्वितीय विजेता को 31 हजार रुपये नाइजीरिया के निवासी मेवाड़ विश्वविद्यालय के विद्यार्थी निनेजी क्लेरा सोचिमेजेम तथा अमेरिका की इन्द्रकान्ति श्रीप्रदा, तृतीय विजेता बांग्लादेश के पृथला मोहिनी तथा नेपाल के यादव प्रिंस को 21 हजार रुपये का नगद पुरस्कार तथा भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् (आईसीसीआर) द्वारा प्रमाण पत्र भी प्रदान किये गए। कार्यक्रम में मेवाड़ अभिव्यक्ति द्वारा सांस्कृतिक रंगारंग कार्य में प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) आलोक मिश्रा, मेवाड़ एज्युकेशन सोसायटी के चेयरमैन गोविन्द लाल गदिया, बोर्ड ऑफ मैनेजमेन्ट के सदस्य अंतिम माहेश्वरी, मेवाड़ युप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की निवेशिका डॉ. अलका अग्रवाल, डायरेक्टर एकेडेमिक्स डीके शर्मा, डायरेक्टर ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट हरीश गुनानी आदि सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों, प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। आभार ओएसडी एच विधानी ने व्यक्त किया।